एक नजर में

विश्व एड्स पर तख्तियों व नारा लेखन के माध्यम से किया जागरूक

मन्दसौर। विश्व एड्स दिवस 1 दिसंबर को व्यवधान पर काबू पाना एड्स प्रतिक्रिया पर बदलाव थीम के तहत आज मंदसौर एडवांस इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सोसायटी लिंक वर्कर स्कीम द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी शुरुआत अतिथि समाजसेवी मनोहर नलवाया व अशोक जैन को रेड रिबन लगाकर की गई । इसके पश्चात जिला अस्पताल में विश्व एड्स दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता कर तख्तियों एवं नारा लेखन के माध्यम से लोगों को एचआईवी/एसटीआई के प्रति जागरूक किया गया टोल फ्री नंबर 1097 के विषय में जानकारी दी गई । इस दौरान संस्था से जिला समन्वयक सोनू पालीवाल, एमएण्डई मेघा साल्वी, सपना चौहान, कृष्णपाल सिंह राठौर, मुकेश दाहिमा, विक्की चौहान, राहुल, सचिन, रीना, संगीता आदि उपस्थित रहे।

दशपुर दिव्यांग संगठन कल मनाएगा विश्व विकलांग दिवस

मन्दसौर। दशपुर दिव्यांग शिक्षा एवं कल्याण संगठन मन्दसौर द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्व दिव्यांग दिवस मनाया जाएगा। सभी दिव्यांग भाई-बहन कल 3 दिसम्बर बुधवार को सुबह 9 बजे संगठन कार्यालय पर उपस्थित होंगे, इसके पश्चात् दिव्यांगों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जनप्रतिनिधियों व कलेक्टर महोदय को ज्ञापन दिया जाऐगा। व समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। समस्याओं को लेकर सभी विभागों को आवेदन दिया जाएगा। सभी भाई बहन अपनी समस्याओं का आवेदन बना कर सभी दस्तावेजों के साथ उपस्थित होवें। संगठन के अध्यक्ष अशोक कुमावत, सचिव इकबाल मंसुरी, ऋषिराज पंवार, संतोष, विनु गिरी गोस्वामी, कवरलाल प्रजापति आदि ने सभी दिव्यांग भाई बहनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

भाषा हमारी सही पहचान गढ़ती है : डॉ प्रशांत मिश्रा

मंदसौर। प्रधानमंत्री एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर के अंग्रेज़ी विभाग द्वारा शनिवार को ध्वनिविज्ञान विषय पर एक विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विभागाध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. वीणा सिंह के स्वागत उद्बोधन से हुआ। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कार्यक्रम के संरक्षक प्रोफेसर जे. एस. दुबे ने अपने संबोधन में संस्कृत महेश्वर सूक्तम् का उल्लेख करते हुए भारतीय ध्वनि-परंपरा की वैज्ञानिकता और शास्त्रीय महत्ता पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता प्रोफेसर प्रशांत मिश्रा (प्राचार्य, प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज नीमच) ने ध्वनिविज्ञान के मूल सिद्धांत, ध्वनियों की प्रकृति तथा उनके वर्गीकरण पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से ओष्ठ्य (दो होंठों से बनने वाली), ओष्ठ-दन्त्य (होंठ एवं दाँत से बनने वाली), दन्त्य, मूर्धन्य, तालव्य आदि ध्वनियों के उच्चारण-विधान को उदाहरणों सहित समझाया। उनके अनुसार ध्वनिविज्ञान भाषा-अध्ययन की वैज्ञानिक आधारशिला है। यह आयोजन महाविद्यालय के आईक्यूएसी (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ) तथा संस्थान नवाचार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में संपन्न हुआ। संस्थान नवाचार प्रकोष्ठ के प्रमुख डॉ. यशवंत पवार तथा सदस्य श्री रजत जैन एवं श्री हेरालाल जाटव भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ. अनिल आर्य की भी उपस्थिति रही। अंग्रेज़ी विभाग की सदस्य एवं आयोजन समिति की सक्रिय प्रतिभागी सुश्री दीप्ति शक्तावत की सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। अंत में आयोजन समिति की ओर से सचिन शर्मा ने उपस्थित अतिथियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। विस्तार व्याख्यान में विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

आध्यात्मिक संवाद में वक्ताओं के विचार

मंदसौर। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता प्रकाश रातड़िया ने कहा कि सेवा प्रतिफल रहित होती है। उससे स्वांत: सुखाय आनंद प्राप्त होता है। सेवा सर्वोपरि सद्गुण है। दुखी पीड़ित और संकटग्रस्त व्यक्ति को मदद करना सेवा है। यश, कीर्ति और सराहना की अभिलाषा से सेवा का मूल तत्व विलोपित हो जाता है। शारीरिक सेवा, ज्ञान, प्रसाद और सहानुभूति और पूर्ण संवाद भी सेवा है। जब रोजगार का कार्य सेवा के लिये जीवित रहने के लिए पारिश्रमिक द्वारा की जाती है वह ही सेवा है। उसमें धन अर्जन का लक्ष्य नहीं होता बल्कि केवल राहत पहुंचाना पूर्णय बना देने से सेवा को पूर्णता मिलती है। वरिष्ठ सलाहकार गोपाल बैरागी ने कहा कि प्रत्येक पल का सदुपयोग जरूरी है, प्रत्येक कालखण्ड शुरू होता है, चौघड़िया तो यह बताता है कि किस कालखण्ड में क्या काम करना है। ज्योतिष के इस मार्गदर्शन का जो सदुपयोग करता है उसे सफलता मिलती है। हरीश दवे एवं भागचंद ने अपने विचार रखे। सुरेश पण्ड्या, दिनेश बैरागी, सत्यनारायण भूरिया, सीरूमल आसवानी ने मंगलाचरण एवं गीत भजन प्रस्तुत किए। संचालन कृष्णकुमार जोशी ने एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रविन्द्र जोशी ने किया।

भगवान पशुपतिनाथ महादेव मेला का हुआ समापन

मंदसौर। 63वें भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला का सोमवार को समापन समारोह आयोजित किया गया। राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, मंदसौर जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने की। कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती निर्मला गुप्ता, पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी, नपा उपाध्यक्ष नम्रता प्रीतेश चावला, मेला समिति सभापति श्रीमती प्रतिभा विक्रम भैरवे, मेला समिति सदस्यगण कमलेश सिसौदिया, प्रमिला गोयल, गरिमा भाटी, आशीष गौड़, नपा सभापतिगण निलेश जैन, दीपमाला मकवाना, कौशल्या बंधवार, मण्डल महामंत्री बंशी राठौर भी मंचासीन थे। इन सभी अतिथियों का स्वागत भी किया गया। कार्यक्रम में पार्षदगण भावना जयप्रकाश पमनानी, गोवर्धन कुमावत, राकेश भावसार, नरेन्द्र बंधवार, सुनील बंसल, भाजपा नेता राजेश गुर्जर, विक्रम भैरवे, मेला लिपिक राजेन्द्र नीमा सहित मेला के व्यवसायीगण, नगर के गणमान्य नागरिकगण भी उपस्थित थे। मेला के समापन अवसर पर अतिथिगणों, नपा के जनप्रतिनिधियों एवं मेला समिति ने मेला में दुकान लगाने वाले उत्कृष्ट व्यापारियों को शील्ड प्रमाण पत्र सौंपकर सम्मानित भी किया। समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद गुर्जर ने कहा कि इस वर्ष बेमौसम वर्षा के बावजूद अच्छी व्यवस्थाये करने के लिये नपा परिषद एवं मेला समिति बधाई की पात्र है।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से महिला की मौत

▸ ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

गरोठ। तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से घायल हुई खड़ावदा निवासी रेखा रत्नावत (45) की सोमवार को कोटा के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसा 29 नवंबर को चंबल कॉन्वेंट स्कूल के पास हुआ था, जब रेखा अपने पति राधेश्याम रत्नावत के साथ टहल रही थीं। एक तेज रफ्तार वाहन ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी थी।

रेखा की गंभीर हालत के चलते उन्हें कोटा रेफर किया गया था, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। राधेश्याम रत्नावत अब भी कोटा अस्पताल में भर्ती हैं।

महिला की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों व परिजनों ने सोमवार दोपहर बारहमासी चौराहे पर चक्काजाम कर दोषी ड्राइवर पर कार्रवाई और मुआवजा देने की मांग की। सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश के बाद धरना समाप्त कराया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

गीता पूरे विश्व को कर्म का संदेश देती है : सांसद सुधीर गुप्ता

▸ गीता जयंती महोत्सव में हुआ सामूहिक गीता पाठ

मंदसौर। अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के अवसर पर रविवार को भगवान पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के आराधना हॉल में सामूहिक गीता पाठ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, पूर्व विधायक सिसोदिया, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, जनप्रतिनिधि, अधिकारी व बड़ी संख्या में नागरिक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती व भगवान श्रीकृष्ण के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। पावन वातावरण में सामूहिक गीता पाठ किया गया, जिसमें सभी ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता निभाई।

सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि 'गीता किसी एक धर्म का नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का मार्गदर्शक ग्रंथ है।' उन्होंने गीता को कर्मप्रधान बताते हुए कहा कि यह हमें निष्काम भाव से कर्तव्य निभाने की प्रेरणा देती है। अन्य वक्ताओं ने भी गीता को जीवन का सार बताते हुए कहा कि इससे नैतिक मूल्यों, आत्मबल और चरित्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण सीख मिलती है।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेश आज भी जीवन की उलझनों में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं और मानव जीवन की कई समस्याओं का समाधान देते हैं।

जिला जेल नीमच में गीता महोत्सव संपन्न

नीमच। म.प्र.शासन जेल विभाग मंत्रालय भोपाल एवं जेल मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार गीता जंयती के अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जेल में परिरूद्ध 415 पुरूष बंदी एवं 10 महिला बंदिनियों ने भाग लिया और श्रीमद् भगवद् गीता के 15वें अध्याय का सस्वर पाठ किया। इस अवसर पर जेल उप अधीक्षक श्री एन.एस.राणा, सहायक जेल अधीक्षक श्री मनोज कुमार चौरसिया, जेल चिकित्सक डॉ.अजीतसिंह शक्तावत एवं अन्य जेलकर्मी भी उपस्थित थे।

इसी तरह उप जेल जावद में भी गीता उत्सव मनाया गया और बंदियों को गीता के 15वें अध्याय का श्रवण कराया गया। सभी ने श्रीमद् भगवद् गीता के 15वें अध्याय का सामुहिक सस्वर पाठ भी किया। यह जानकारी जेल अधीक्षक श्री अंशुल गर्ग ने दी।

स्टार्च फैक्ट्री मजदूरों का आंदोलन जारी

मंदसौर। स्टार्च फैक्ट्री मजदूरों का वेतन एरियर और पिछले वर्ष का बोनस भुगतान न करने को लेकर आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। श्रम कार्यालय में हुई चर्चा के दौरान प्रबंधन ने 28 नवंबर तक भुगतान करने का आश्वासन दिया था, लेकिन समयसीमा बीत जाने के बाद भी राशि नहीं दी गई।

प्रबंधन की इस वादाखिलाफी से मजदूरों में गहरा आक्रोश है। इसी के चलते मजदूरों ने 29 नवंबर से प्रतिदिन शाम 4 बजे फैक्ट्री गेट पर नारेबाजी और गेट मीटिंगें शुरू कर दी हैं। यूनियन का कहना है कि यदि जल्द ही भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन और अधिक उग्र किया जाएगा।

गेट मीटिंग में यूनियन नेताओं अशोक सोलंकी, भागीरथ, विशाल, इकबाल आदि ने मजदूरों को संबोधित करते हुए संगठन की एकता बनाए रखने और आंदोलन को और मजबूत करने की अपील की।

वी 27 क्रिकेट अकादमी की शानदार जीत, टीम ने फिर दिखाया दम

पिपलियामण्डी। वी 27 क्रिकेट अकादमी पिपलियामंडी ने प्रतापगढ़ क्रिकेट अकादमी को 25-25 ओवरों के मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मुकाबले में 7 विकेट से हराकर एक और शानदार जीत दर्ज की। मुकाबला पिपलिया मंडी मैदान पर खेला गया, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन वी 27 क्रिकेट अकादमी ने गेंद और बल्ले दोनों से बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए जीत अपने नाम की, मुकाबले में प्रतापगढ़ क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.1 ओवर में 163 रन बनाए और पूरी टीम ऑल आउट हो गई। वी 27 क्रिकेट अकादमी की गेंदबाजी धारदार रही, जिसके चलते विपक्षी टीम बड़े स्कोर तक नहीं पहुँच सकी। वी 27 की ओर से राजवीर ने सबसे शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। उनके अलावा खुश चावड़ा और गोलू राठौर ने भी उम्दा गेंदबाजी करते हुए 2-2 विकेट लिए, जबकि अनय, वैभव और तनिष्क ने एक-एक विकेट लेकर टीम की जीत में योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वी 27 क्रिकेट अकादमी की शुरुआत संतुलित रही और टीम ने एक-एक रन को महत्व देते हुए पारी को आगे बढ़ाया। बल्लेबाजों ने धैर्य और आक्रामकता का बेहतरीन संयोजन दिखाया। 163 रनों का लक्ष्य टीम ने 22.3 ओवर में मात्र 3 विकेट खोकर प्राप्त कर लिया। बल्लेबाजी में राजवीर गुर्जर का प्रदर्शन सबसे आकर्षक रहा, जिन्होंने 53 रन की महत्वपूर्ण पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुँचा दिया। हेमंत गुर्जर ने 33 रन, दीपेश गुर्जर ने 28 रन तथा तनिष्क परिहार ने 30 रन बनाकर टीम की जीत को सुनिश्चित किया। मैच के दौरान मैदान पर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में जॉर्ज सर, महेश सैनी, ललित जी कसेरा उपस्थित रहे, । वी 27 क्रिकेट अकादमी के कोच विनय नेकाड़ी ने मैच की पूरी जानकारी साझा करते हुए खिलाड़ियों के प्रदर्शन को उत्कृष्ट बताया ।

1100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने किया श्रीमद् भगवद् गीता का सस्वर पाठ

▸ कलेक्टर ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

नीमच। अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती के उपलक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम उत्कृष्ट विद्यालय नीमच में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, श्री अमन वैष्णव, जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल, श्रीमती मीना जयसवाल सहित गीता महोत्सव के जिला प्रभारी श्री विपिन पुरोहित उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन गीता पूजन तथा शंखनाद के साथ हुआ। शंखनाद श्री श्री शंकर शुक्ला द्वारा किया गया। इसके उपरांत स्वस्तिवाचन, गुरु वंदना, भगवत गीता महात्मा, प्रेरणा गीत आदि का सस्वर गायन, अनुगायन सांदीपनि विद्यालय नीमच की शिक्षिका श्रीमती रितु शर्मा तथा विद्यार्थियों ने किया।

कार्यक्रम में श्रीमद भगवत गीता के पंचोदश अध्याय का गायन-अनुगायन तथा भावार्थ प्रस्तुत किया गया। व्यास पीठ पर श्री दिग्विजय पालीवाल के द्वारा श्रीमद भगवत गीता के 15वें अध्याय का 1100 से अधिक छात्र-छात्राओं के साथ गायन-अनुगायन किया। कार्यक्रम के अंत में श्रीमद भगवत गीता जी की आरती कर सभी को प्रसाद वितरण किया गया।

इस अवसर पर राज्य से प्राप्त श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित 94 फोटो की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। कलेक्टर एवं अतिथियों और विद्यार्थियों तथा गीता प्रेमियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

कार्यक्रम में नीमच के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भी सहभागिता की कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्री माँगरिया, डीपीसी श्री दिलीप व्यास, एडीपीसी श्री प्रलय उपाध्याय, प्राचार्य श्री ज्ञानवर्धन श्रीवास्तव, श्री अनिल कुमार व्यास तथा नीमच के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री अरविंद शर्मा ने किया तथा आभार प्राचार्य श्री व्यास ने व्यक्त किया।

विश्व एड्स दिवस पर उद्यानिकी महाविद्यालय में जागरूकता अभियान

मन्दसौर। मध्य प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसायटी, रेड रिबन क्लब एवं उद्यानिकी महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया गया, जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. कमलेश कुमावत एड्स जागरूकता अभियान जिला चिकित्सालय रहें। साथ ही श्री सुरेंद्र पाटीदार भी मौजूद थे।

मुख्य वक्ता डॉ. कमलेश ने एचआईवी और एड्स विषय पर उद्बोधन दिया उन्होंने बताया की एड्स एक गंभीर स्वास्थ्य स्थिति है, जो एचआईवी नामक वायरस के कारण होती है। एचआईवी शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर बीमारियों से लड़ नहीं पाता। श्री सुरेंद्र पाटीदार ने बताया की एचआईवी 4 तरीकों से फैल सकता है यह रोग असंरक्षित यौन संबंध, संक्रमित खून के संपर्क में आने से व संक्रमित सुई/सीरिंज का उपयोग करने से या गर्भावस्था, प्रसव या स्तनपान के दौरान माँ से बच्चे से फैलता है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आई. एस. तोमर ने भी इस विषय पर चर्चा की और एचआईवी और एड्स में अंतर को समझाया जिसमें एचआईवी = वायरस, एड्स = एचआईवी संक्रमण का अंतिम और सबसे गंभीर चरण है। हर एचआईवी संक्रमित व्यक्ति को एड्स नहीं होता, यदि इलाज सही समय पर शुरू हो जाए। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के एनएसएस अधिकारी डॉ. प्रदीप तुरुकमाने ने किया। डॉ. रोशन गलानी ने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं उपस्थित सभी स्टाफ़ सदस्य एवं विद्यार्थीयों का आभार प्रदर्शन किया, कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी स्टाफ़ सदस्य एवं विद्यार्थ उपस्थित थे।

कलेक्टोरेट में सामूहिक राष्ट्रगॉन एवं वन्दे मातरम का गायन

नीमच। कलेक्टर कार्यालय नीमच में सोमवार को सामुहिक राष्ट्रगॉन एवं वंदेमातरम का गायन किया गया। राष्ट्रगॉन म.प्र.गान एवं वन्देमातरम का गायन ए.डी.एम श्री बी.एस.कलेश तथा जिला अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति में हुआ।

इस मौके पर कलेक्टोरेट भवन स्थित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सामुहिक रूप से राष्ट्रगॉन, वंदे मातरम एवं म.प्र.गॉन का गायन किया। तदपश्चात दिसंबर माह में शासकीय कार्यो की शुरूआत की गई। इस अवसर पर कलेक्टोरेट, राजस्व, भू-अभिलेख, श्रम, सहकारिता विभाग, शिक्षा, कोषालय, जनसम्पर्क कार्यालय, शहरी विकास अभिकरण सहित विभिन्न विभागों के बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

एक नजर ▸ **चुनौतीपूर्ण सर्जरी द्वारा बचाई महिला की जान**

नीमच में हुई नेफरेक्टोमी की सफलतम जटिल सर्जरी

नीमच। ज्ञानोदय मल्टीस्पेश्यलिटी हॉस्पिटल लगातार चिकित्सा के क्षेत्र में जटिलतम रोगों व सर्जरी द्वारा मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित हो रहा है। इसी क्रम में गत दिनों एक 59 वर्षीय महिला की सफल शल्य चिकित्सा द्वारा खराब किडनी निकाल कर उसकी जान बचाई गई। 59 वर्षीय महिला कंवलाबाई कई दिनों से बुखार और अत्यधिक कमजोरी से परेशान थीं। ज्ञानोदय हॉस्पिटल द्वारा जांचों में पता चला कि उनकी बाँई किडनी में बड़ा स्टोन फंसा हुआ है, जिसकी वजह से किडनी में भारी सूजन (ग्रोस हाइड्रोनेफ्रोसिस) हो गई थी और किडनी का ऊपरी हिस्सा लगभग पेपर थिन होकर काम करने की स्थिति में नहीं था। रोगी का क्रिएटिनिन स्तर भी बहुत बढ़ा हुआ मिला जिससे किडनी फैल की आशंका और पुख्ता हुई। पुष्टि के लिए श्रेष्ट स्कैन किया गया, जिसमें स्पष्ट हो गया कि बाई किडनी पूरी तरह खराब हो चुकी है और उसका फंक्शन शून्य है। इस गंभीर और जीवन-जोखिम वाली स्थिति में मरीज को संक्रमण व दर्द से राहत दिलाने हेतु बाई किडनी को हटाने का निर्णय लिया गया। यह जटिल सर्जरी द्वारा ही सभव था। इस सर्जरी को डॉ. सुरेंद्र प्रजापति और उनकी टीम द्वारा ज्ञानोदय मल्टीस्पेश्यलिटी हॉस्पिटल कनावटी नीमच द्वारा सफलतापूर्वक किया। कुछ दिनों पहले भी इसी प्रकार की जटिल सर्जरी द्वारा एक किडनी मरीज की जान बचाई गई थी । सर्जरी के बाद मरीज की हालत बेहतर है और उन्हें अब बुखार व दर्द से राहत है। इस प्रकार क्षेत्र में ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पिटल लगातार जीवन रक्षक साबित हो रहा है । ज्ञानोदय हॉस्पिटल में लगातार क्षेत्र के मरीजों का इसी प्रकार उपचार व अनेक योजनाओं के तहत नि:शुल्क इलाज भी किया जा रहा है। ज्ञानोदय हॉस्पिटल आज क्षेत्र के मरीजों के लिए वरदान साबित हो रहा है। गत दिनों एक ही दिन में हुई दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में सिर की गंभीर चोट वाले मरीजों का भी उपचार कर उनकी जान बचाई गई। यह इस बात को भी सिद्ध करता है कि ज्ञानोदय हॉस्पिटल निरंतर क्षेत्रवासियों को नवीनतम स्वास्थ सुविधाएँ दे रहा।